भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
22.03.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3670 का उत्तर

पश्चिम बंगाल में रेल परियोजनाएं

3670. श्रीमती नुसरत जहां:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पश्चिम बंगाल में पूर्ण/आंशिक रूप से गुजरने वाली कितनी रेल परियोजनाएं आज की तिथि तक पूरी होने के लिए लंबित हैं;

(ख) पूरा होने हेतु लम्बित नई लाइनों, दोहरीकरण, विद्युतीकरण आदि कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा क्या है;

(घ) वर्ष 2023-24 के बजट में पश्चिम बंगाल में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली इन परियोजनाओं में से प्रत्येक के लिए कितना बजट आवंटित किया गया है; और

(ङ) वर्ष 2014-15 से अब तक पश्चिम बंगाल में अवसंरचना परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए वार्षिक औसत बजट आवंटन कितना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

पश्चिम बंगाल में रेल परियोजनाओं के संबंध में 22.03.2023 को लोक सभा में श्रीमती नुसरत जहां के अतारांकित प्रश्न सं. 3670 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाएं जिला-वार/राज्या-वार नहीं बल्किय क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वी कृत और निष्पारदित की जाती हैं क्योंेकि रेल परियोजनाएं /जिलों/राज्योंा की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

बहरहाल, 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 4,365 किलोमीटर कुल लंबाई की 51,645 करोड़ रु. लागत की 50 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (16 नई लाइन , 04 आमान परिवर्तन और 30 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से मार्च, 2022 तक 2,065 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 20,974 करोड़ रु. का व्यहय किया गया है। इनमें शामिल हैं:

- **25,054 करोड़ रु. की लागत वाली 1,538 किलोमीटर लंबाई की 16 नई लाइन परियोजनाओं में से 731 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक लगभग 10,249 करोड़ रु. का व्याय किया गया है।**

- **7,848 करोड़ रु. की लागत वाली 1,200 किलोमीटर लंबाई की 4 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से 848 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2022 तक लगभग 3,584 करोड़ रु. का व्य य किया गया है।**

- **लगभग 18,744 करोड़ रु. की लागत वाली 1,627 किलोमीटर लंबाई की 30 दोहरीकरण परियोजनाओं में से 486 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक लगभग 7,141 करोड़ रु. का व्य7य किया गया है।**

इस समय, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली कुल 893 करोड़ रु. लागत के साथ 03 अदद रेल विद्युतीकरण परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

रेल परियोजना का समय पर पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण , वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी , बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग , विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां , क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक

परिस्थितियों, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति , जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना/ओं विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या इत्यादि पर निर्भर करता है। उपर्युक्ति बाधाओं के साथ रेलवे परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

पश्चिम बंगाल राज्य में रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारतीय रेल की पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का जोन-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in >Ministry of Railways>Railway Board >About Indian Railways >Railway Board Directorates >Finance (Budget) > Pink Book (Year)> Railway wise Works Machinery and Rolling Stock Programme (RSP) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

वर्ष 2014 से, बजट आवंटन और तदनुरूपी परियोजनाओं की कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। 2014-19 के दौरान , पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन , 2009-14 के दौरान , 4,380 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 4,612 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 5% अधिक है। इन परियोजनाओं के लिए वार्षिक बजट आबंटन को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 5,033 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 15% अधिक), वित्त3 वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 5,246 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 20% अधिक), वित्तढ वर्ष 2021-22 में बढ़ाकर 6,988 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय की तुलना में 60% अधिक) और वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ाकर 10,262 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय की तुलना में 134% अधिक) कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 11,970 करोड़ रु. का बजट परिव्य0य का प्रस्ताव किया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 173% अधिक (4,380 करोड़ रु. प्रति वर्ष) है।

s.k

वर्ष 2014-22 के दौरान, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 998 कि.मी. खंडों (88 कि.मी. नई लाइन, 151 कि.मी. आमान परिवर्तन और 759 कि.मी. दोहरीकरण) को 124.75 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से कमीशन किया गया है।

******

s.k